Annexure 'A'

पाठ्यक्रम

हिंदी (ऐच्छिक) कोड सं० 002

कक्षा-12 (2014)

उच्चतर माध्यमिक स्तर में प्रवेश लेने वाला विद्यार्थी पहली बार सामान्य शिक्षा से विशेष अनुशासन की शिक्षा की ओर उन्मुख होता है। दस वर्षों में विद्यार्थी भाषा के कौशलों से परिचित हो जाता है। भाषा और साहित्य के स्तर पर उसका दायरा अब घर, पास–पड़ोस, स्कूल, प्रांत और देश से होता हुआ धीरे–धीरे विश्व तक फैल जाता है। वह इस उम्र में पहुँच चुका है कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं पर विचार–विमर्श कर सके, एक ज़िम्मेदार नागरिक की तरह अपनी ज़िम्मेदारियों को समझ सके तथा देश और खुद को सही दिशा दे सकने में भाषा की ताकत को पहचान सके। ऐसे दृढ़ भाषिक और वैचारिक आधार के साथ जब विद्यार्थी आता है तो उसे विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की व्यापक समझ और प्रयोग में दक्ष बनाना सबसे पहला उद्देश्य होगा। किशोरावस्था से युवावस्था के इस नाज़ुक मोड़ पर किसी भी विषय का चुनाव करते समय बच्चे और उनके अभिभावक इस बात को लेकर सबसे अधिक चिंतित रहते हैं कि चयनित विषय उनके भावी कैरियर और जीविका के अवसरों में मदद करेगा कि नहीं। इस उम्र के विद्यार्थियों में चिंतन और निर्णय करने की प्रवृत्ति भी प्रबल होती है। इसी आधार पर वे अपने मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक और भाषिक विकास के प्रति भी सचेत होते हैं और अपने भावी अध्ययन की दिशा तय करते हैं। इस स्तर पर ऐच्छिक हिंदी का अध्ययन एक सृजनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और विभिन्न प्रयुक्तियों की भाषा के रूप में होगा। इस बात पर भी बल दिया जाएगा कि निरंतर विकसित होती हिंदी के अखिल भारतीय स्वरूप से बच्चे का रिश्ता बन सके।

इस स्तर पर विद्यार्थियों में भाषा के लिखित प्रयोग के साथ–साथ उसके मौखिक प्रयोग की कुशलता और दक्षता का विकास भी ज़रूरी है। प्रयास यह भी होगा कि विद्यार्थी अपने बिखरे हुए विचारों और भावों की सहज और मौलिक अभिव्यक्ति की क्षमता हासिल कर सके।

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से (i) विद्यार्थी अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप साहित्य का गहन और विशेष अध्ययन जारी रख सकेंगे। (ii) विश्वविद्यालय स्तर पर निर्धारित हिंदी–साहित्य से संबंधित पाठ्यक्रम के साथ सहज संबंध स्थापित कर सकेंगे। (iii) लेखन–कौशल के व्यावहारिक और सृजनात्मक रूपों की अभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे। (iv) रोजगार के किसी भी क्षेत्र में जाने पर भाषा का प्रयोग प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। और (v) यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को संचार तथा प्रकाशन जैसे विभिन्न–क्षेत्रों में अपनी क्षमता आजमाने के अवसर प्रदान कर सकता है।

उद्देश्य

- सृजनात्मक साहित्य की सराहना, उसका आनंद उठाना और उसके प्रति सृजनात्मक और आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- साहित्य की विविध विधाओं (कविता, कहानी, निबंध आदि), महत्वपूर्ण कवियों और रचनाकारों, प्रमुख धाराओं और शैलियों का परिचय कराना।
- भाषा की सृजनात्मक बारीकियों और व्यावहारिक प्रयोगों का बोध तथा संदर्भ और समय के अनुसार प्रभावशाली ढंग से उसकी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कर सकना।
- विभिन्न ज्ञानानुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता का बोध कराना।
- साहित्य की प्रभावशाली क्षमता का उपयोग करते हुए सभी प्रकार की विविधताओं (धर्म, जाति, लिंग, वर्ग, भाषा आदि) एवं अंतरों के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील रवैये का विकास कराना।
- देश–विदेश में प्रचलित हिंदी के रूपों से परिचित कराना।
- संचार–माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना और नवीन विधियों के प्रयोग की क्षमता का विकास करना।
- साहित्य की व्यापक धारा के बीच रखकर विशिष्ट रचनाओं का विश्लेषण और विवेचन करने की क्षमता हासिल करना।
- विपरीत परिस्थितियों में भी भाषा का इस्तेमाल शांति के साथ करना।
- अमूर्त विषयों पर प्रयुक्त भाषा का विकास और कल्पनाशीलता और मौलिक चिंतन के लिए प्रयोग करना।

शिक्षण–युक्तियाँ :

इन कक्षाओं में उचित वातावरण–निर्माण में अध्यापकों की भूमिका सदैव सहायक की होनी चाहिए। उनको भाषा और साहित्य की पढ़ाई में इस बात पर ध्यान देने की ज़रूरत होगी कि–

- कक्षा का वातावरण संवादात्मक हो ताकि अध्यापक, विद्यार्थी और पुस्तक तीनों के बीच एक रिश्ता बन सके।

- गलत से सही की ओर पहुँचने का प्रयास हो। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बोलने, लिखने और पढ़ने दिया जाए और फिर उनसे होने वाली भूलों की पहचान करा कर अध्यापक अपनी पढ़ाने की शैली में परिवर्तन करे।

- ऐसे शिक्षण–बिंदुओं की पहचान की जाए, जिससे कक्षा में विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी रहे और अध्यापक भी उनका साथी बना रहे।

- शारीरिक बाधाग्रस्त विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त शिक्षण–सामग्री का इस्तेमाल किया जाए तथा किसी भी प्रकार से उन्हें अन्य विद्यार्थियों से कमतर या अलग न समझा जाए।

- विभिन्न विधाओं से संबंधित रूचिकर और महत्वपूर्ण 10 अन्य पुस्तकें जिन्हे स्वयं पढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए।

- कक्षा में अध्यापक को हर प्रकार की विभिन्नताओं (लिंग, धर्म, जाति, वर्ग आदि) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील वातावरण निर्मित करना चाहिए।

- सृजनात्मकता के अभ्यास के लिए विद्यार्थी से साल में कम से कम दो रचनाएँ लिखवाई जाएँ।

हिंदी (ऐच्छिक) कोड सं. 002

कक्षा–12

			अंक
(क)	अपठित–बोध (गद्यांश और काव्यांश–बोध)	15+5	20
(ख)	रचनात्मक तथा व्यावहारिक लेखन (अभिव्यक्ति और माध्यम)		25
(ग)	निर्धारित पुस्तकें : • **अंतरा** (भाग–2) • काव्य–भाग		20
	• गद्य–भाग		20
(घ)	• **अंतराल** (भाग–2)		15

क) अपठित बोध : (गद्यांश और काव्यांश बोध) — 20

1. अपठित गद्यांश : गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचानांतरण तथा शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न — 15
2. अपठित काव्यांश : **दो** में से **एक** काव्यांश पर आधारित **पाँच** लघूत्तरात्मक प्रश्न — 5

(ख) रचनात्मक तथा व्यावहारिक लेखन : — 25

3. निबंध (विकल्प) (किसी **एक** विषय पर) — 10
4 कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित) — 05
5. पत्रकारिय और विशेषणलेखन पर **दो** में से **एक** प्रश्न — 05
6. **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** के आधार पर विविध माध्यमों के लिए लेखन पर **पाँच** लघूत्तरात्मक प्रश्न (1X5)05

(ग) अंतरा भाग–2 (20+20 अंक) — 40

काव्य–भाग: — 20

7. (i) **दो** में से **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या — 8
8. (ii) कविता के कथ्य पर **तीन** में से **दो** प्रश्न (3+3) — 6
9. (iii) कविताओं के काव्य–सौंदर्य पर **तीन** में से **दो** प्रश्न (3+3) — 6

गद्य–भाग: — 20

10. (i) **दो** में से **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या — 06

11.	(ii)	पाठों की विषय वस्तु पर **तीन** में से **दो** प्रश्न	(4+4)	08
12.	(iii)	**दो** में से किसी **एक** कवि/लेखक का साहित्यिक परिचय	06	
	(घ)	**पूरक पाठ्य पुस्तक : अंतराल (भाग–2)**	**15**	
13.	(i)	विषय वस्तु पर आधारित तीन में से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न	04	
14.	(ii)	विषय वस्तु पर आधारित मूल्यपरक प्रश्न	05	
15.	(iii)	विषय वस्तु पर आधारित दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न	06	

निर्धारित पुस्तकें:

(i) **अंतरा भाग–2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

(ii) **अंतराल भाग–2** (विविध विधाओं का संकलन) एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

(iii) **अभिव्यक्ति और माध्यम** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

आदर्श प्रश्न पत्र - 2014
हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा - XII

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

खण्ड- क

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** 15

बहस यह नहीं होनी चाहिए कि कितने रुपये में खाना मिल सकता है। सवाल यह है कि भारत की आबादी में कितने सारे लोग ठीकठाक, सम्मानजनक दिनचर्या पा सकते हैं। शायद इसके लिए हमें तथ्यों को समग्रता में देखना होगा। यह तमाम आंकड़ों से सिद्ध होता है कि भारत में विषमता बढ़ी है, लेकिन यह भी सही है कि उदारीकरण के बाद गरीबी के घटने की रफ्तार भी तेज़ हुई है। विषमता बढ़ने का कारण यह है कि अमीरों की आय ज्यादा तेजी से बढ़ी है, उतनी तेज़ो से गरीबों की आय नहीं बढ़ी है। यह भी तमाम आकंड़ों स सिद्ध होता है कि भारत में भुखमरी कम हुई है और ऐसे लोगों का प्रतिशत भी कम हुआ है, जिन्हें दो वक्त की रोटी नसीब नहीं है। इसके बावजूद ऐसे लोगों की तादाद अच्छी-खासी है, जिनके लिए खाद्य सुरक्षा की जरूरत है। यह बात सरकार भी मानती है, तभी वह खाद्य सुरक्षा अधिनियम लेकर आई है। स्वतंत्र भारत में गरीबी शुरू से ही एक ऐसा राजनीतिक मुहावरा है, जिनके नाम पर वोट बटोरे जा सकते हैं। ऐसे में गरीबी की बहस हमेशा ही असंवेदनशीलता और सनसनी का शिकार हो जाती है। अगर गरीबी पर विचार और बहस-मुबाहिसा संतुलित तथा गरिमामय ढंग से किया जाए, तो इससे गरीबों की गरिमा भी बनी रहेगी और उनकी समस्याओं को हल करना भी आसान होगा।

(क) बहस का मुद्दा क्या नहीं होना चाहिए, क्यों? 2

(ख) तथ्यों को समग्रता में देखने से क्या आशय है? 2

(ग) आँकड़ें किन विरोधी बातों को प्रदर्शित करते हैं? 2

(घ) विषमता बढ़ने का प्रमुख कारण क्या है? 2

(ङ) गरीबी को राजनीतिक मुहावरा क्यों कहा गया? 2

(छ) गरीबी पर संतुलित बहस से क्या लाभ होगा? 2

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय छाँटकर लिखिए– असंवेदनशीलता 1

(झ) 'बहस यह नहीं होनी चाहिए कि कितने रुपए में खाना मिल सकता है।' वाक्य का भेद बताइए। 1

(ञ) गति और सम्मानपूर्ण शब्दों का एक-एक पर्याय गद्यांश से चुनकर लिखिए। 1

2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5×1=5

जगजीवन में जो चिर महान
सौंदर्यपूर्ण और सत्य प्राण
मैं उसका स्वामी बनूँ नाथ!
जिसमें मानवहित हो समान।

जिससे जीवन में मिल शक्ति
छूटें भय, संशय, अंधभक्ति,
मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ!
मिल जावें जिसमें अखिल व्यक्ति!

पाकर, प्रभु! तुमसे अमर दान,
करने मानव का परित्राण,
ला सकूँ विश्व में एक बार!
फिर से नवजीवन का विहान!

(क) कवि किन विशेषताओं का स्वामी बनना चाहता है?
(ख) कवि जिस प्रकाश को पाना चाहता है उसकी क्या-क्या विशेषताएँ हैं।
(ग) 'नवजीवन का विहान' कथन का क्या आशय है।
(घ) कवि नव जीवन का विहान क्यों लाना चाहता है?
(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव संक्षेप में लिखिए।

अथवा

मैंने कब कहा
कोई मेरे साथ चले
चाहा ज़रूर!
अक्सर दरख्तों के लिए
जूते सिलवा लाया
और पास उनके खड़ा रहा
वे अपनी हरियाली
अपने फूल-फल पर इतराते
अपनी चिड़ियों में उलझे रहे।
मैं आगे बढ़ गया
अपने पैरों को उनकी तरह

जड़ों में नहीं बदल पाया।
यह जानते हुए भी कि आगे बढ़ते जाना
निरतंर कुछ खोते जाना है
मैं यहाँ आ गया हूँ

(क) कवि ने कुछ चाहा, कह नहीं सका, क्यों?

(ख) 'दरख्तों के लिए जूते सिलवा लाया'– आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) पेड़ कवि का साथ क्यों नहीं दे पाए?

(घ) 'आगे बढ़ते जाना निरंतर कुछ खोते जाना है'– कैसे?

(ङ) पैरों को जड़ों में बदलने का क्या तात्पर्य है?

<u>खंड- ख</u>

3 **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (लगभग 400 शब्द)** 10

(क) उत्तराखंड में जल प्रलय

(ख) लोकतंत्र और चुनाव

(ग) भ्रष्टाचार की समस्या

(घ) मीडिया का उत्तरदायित्व

4 अपने राज्य के परिवहन विभाग के अधिकारी को परिवहन व्यवस्था में सुधार करने का आग्रह करते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

युवावर्ग में देश प्रेम की भावना के विकास की विवेचना करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

5 प्रमुख संचार माध्यमों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि सबसे लोकप्रिय माध्यम क्या है और क्यों? 5

अथवा

दूरदर्शन पर समाचार प्रस्तुत करने वाले 'न्यूज़रीडर' में आप क्या-क्या विशेषताएँ होना आवश्यक समझते हैं? क्यों?

6 **निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर एक-दो वाक्य में दीजिए।** 5×1=5

(क) फीचर का एक उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) हिंदी के किन्हीं दो टी.वी. चैनलों के नाम लिखिए जो समाचारों का निरंतर प्रसारण करते हों।

(ग) संपादकीय किसे कहते हैं?

(घ) विज्ञापन के दो उद्देश्य लिखिए।

(ङ) दैनिक पत्र से आप क्या समझते हैं?

खंड–ग

7 **सप्रसंग व्याख्या कीजिए:** 8

सिसपनते फरिहरेहुँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भँगू।।
मैं प्रभुकृपा रीति जिय जोही। हारेहु खेल जितावहिं मोही।।
महूं सनेह सकोच बस सनमुख कही न बैन।
दरसन नमित न अनु लागी, प्रेम पियासे नैन।।

अथवा

मैं ने देखा
एक बूंद सहसा
उछली सागर के झाग से;
रंग गई क्षणभर
ढलते सूरज की आग से।
मुझ को दीख गया:
सूने विराट के सम्मुख
हर आलोक - छुआ अपनापन

8 **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 6

(क) सरोज के नववधू रूप का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।

(ख) 'कार्नेलिया का गीत' के आधार पर भारत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) विद्यापति की विरहिणी नायिका की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

9 **किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए–** 6

(क) मामा–मामी का रहा प्यार
भर जलद धरा को ज्यों अपार
वे ही सुख–दुख में रहे न्यस्त
तेरे हित सदा समस्त, व्यस्त।

(ख) अरूण यह मधुमय देश हमारा
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को
मिलता एक सहारा।

(ग) कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो
खिली हुई हवा आई, फिरकी–सी आई, चली गई।

10 सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6

संवदिया डरकर खाता है और 'अफर' कर सोता है, किंतु हरगोबिन को नींद नहीं आ रही है। .... यह उसने क्या किया? क्या कर दिया? वह किसलिए आया था? वह झूठ क्यों बोला? नहीं-नहीं सुबह उठते ही वह बूढ़ी माता को बड़ी बहुरिया का सही संवाद सुना देगा।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह नहीं है कि शासकवर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेजेडी यह रही है कि पश्चिम की देखा देखी में योजनाएँ बनाते समय प्रकृति मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जाए - इस ओर हमारे सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया।

11 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

(क) 'प्रमाण से अधिक महत्वपूर्ण है, विश्वास'-'शेर' कहानी के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) हर की पौड़ी पर होने वाली आरती का वर्णन 'दूसरा देवदास' के आधार पर कीजिए।

(ग) अवकाश वाली घटना के आधार पर नेहरू के व्यक्तित्व पर अपने विचार का वर्णन कीजिए।

12 जयशंकर प्रसाद अथवा केशवदास के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

अथवा

रामचंद्र शुक्ल अथवा रामविलास शर्मा के जीवन और रचनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए उनकी भाषा शैली की दो विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

13 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 4

(क) मालवा की बरसात का वहाँ के जनजीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

(ख) 'बिसकोहर की माटी' में बिसनाथ पर क्या अत्याचार हो गया?

(ग) तिरलोक सिंह को कौन-सी बात अजीब लगी, क्यों?

14 सैलानी (शेखर और रूप सिंह) घोड़े पर चलते हुए उस लड़के के रोज़गार के बारे में सोच रहे थे जिसने उनको घोड़े पर सवार कर रखा था और स्वयं पैदल चल रहा था। बाल मजदूरों व बाल मजदूरी की कुप्रथा के बारे में आप अपने विचार प्रकट कीजिए। आज हमारे समाज को क्यों बाल मजदूरों को मजदूरी के बंधन से मुक्त कराने की आवश्यकता है? ('आरोहण' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।) 5

15 सूरदास क व्यक्तित्व की तीन विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा 6

‘अपना मलवा .... के आलोक में पर्यावरण के बारे में अपने विचार विस्तार से व्यक्त कीजिए।

उत्तर पत्र - 2014

हिन्दी 'ऐच्छिक'

कक्षा - XII

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

(क) खाना कितने में मिलता है, निरर्थक है (अन्य कारण) 15

(ख) पूरे भारत में गरीबी के परिप्रेक्ष्य में

(ग) विषमता बढ़ी है गरीबी तेजी से घटी भी है

(घ) अमीरों की आय तेजी से बढ़ी है

(ङ) राजनीतिक पद वोट बटोरने के लिए प्रयोग आते हैं

(च) गरिमा बनी रहेगी, समस्याओं का हल

(छ) गरीबी पर बहस

(ज) उपसर्ग - अ, सम्

प्रत्यय - शीलता (एक उपसर्ग एक प्रत्यय पर्याप्त)

(झ) मिश्र वाक्य

(ण) रफ़्तार, गरिमामय

2 (क) सौंदर्य, सत्य, महान, मानवहितकारी 5

(ख) शक्ति देने वाला, भय, संशय से मुक्ति दिखाने वाला

(ग) भारत में नया परिवर्तन, जीवन की नई शुरूआत

(घ) मानव की रक्षा करने के लिए

(ङ) केंद्रीय भाव 2-3 वाक्यों में

अथवा

(क) कोई उसका साथ दे, उसे विश्वास नहीं था।

(ख) जड़/स्थिर लोगों को गति देने के लिए।

(ग) वे अपने स्थान पर स्थिर थे जड़े गहरी थी।

(घ) पिछली स्थिति/बातें छोड़कर ही आगे बढ़ा जा सकता है।

(ङ) गतिहीन, जड़ हो गया।

3 निबंध 10

- भूमिका और उपसंहार

- विषयवस्तु (चार बिंदु अपेक्षित)
- भाषा और प्रस्तुति

4 पत्र 5

- प्रारुप
- विषयवस्तु और प्रस्तुति
- भाषा

5 मुद्रित माध्यम, इलैक्ट्रोनिक माध्यम 5

- इलेक्ट्रॉनिक लोकप्रिय 2 कारण

अथवा

- व्यकित्व, शुद्ध-उच्चारण, स्पष्ट आवाज
- विजुअल्स और वर्णन में ताल-मेल आदि।

6 (क) जानकारी, सोचना 5

(ख) कोई दो

(ग) संपादक द्वारा लिखा गया प्रमुख लेख

(घ) प्रचार, रोचकता, ध्यानाकर्षण

(ङ) नियमित रूप से रोज प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र

7 8

- प्रसंग, संदर्भ
- पूर्वापर संबंध
- काव्य बिंदु
- टिप्पणी/सौंदर्य

8 (क) नतनमन, प्रकाश के समान उज्ज्वल, कविता के रस के समान आदि 6

(ख) सबको सहाए, प्राकृतिक सौदर्य, सबका पहुँच का लक्ष्य, आदि

(ग) कोयल, भौरे की आवाज ने सूनने के लिए कान ढक लेती है

- कमल सौंदर्य दिखाई देने पर आँख मूँदना
- दुर्बलता

9 (क) भाव सौंदर्य- माँ के प्यार की पूर्ति मामा-मामी से 6

शिल्प- तत्सम शब्दावली, मुक्त छंद

उत्प्रेक्षा, अनुप्रास

(ख) छायावादी कल्पना

भगत की महिमा

मानवीकरण

(ग) आधुनिक कविता

नए उपमान

सरल भाषा

उपमा

10 व्याख्या **6**

प्रसंग, संदर्भ

कारक

टिप्पणी/भाषा

11 उपयुक्त उत्तर किन्हीं दो का **8**

प्रत्येक लगभग 30 शब्दों में

12 जीवन परिचय **6**

रचनाएँ (कम से कम 2)

काव्यगत/भाषाशैली की विशेषताएँ

13 दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित **4**

14 मुक्त उत्तर संभव **5**

15 सूरदास **6**

सरल- निश्छल

परिश्रमी

जीवन को नए सिरे से जीने की ललक

अथवा

पर्यावरण पर विचार

(मुक्त उत्तर)